

२३/१०
२

पत्राचार की प्रकृति वहील साथी कुरु / न्यायालय
 के द्वारा बार बार रुक रुक कर पुकारे
 आते पर ना तो साथी ना ही वहील
 साथी न्यायालय के लक्ष्य इपक्षित उदा
 काल: सांप्रत कुरु हाथिनी कुरु पंजी
 में खासि किता आता है पत्राचार निमित्त
 नुसार दाखिल करत होत नकर से
 कर हो।

(प्रियंका तलानिया)
 उपखण्ड अधिकारी
 अनुपगढ



न्यायालय
 न्यायाधीश
 न्यायाधीश
 न्यायाधीश